हड़ताल करेंगे 7 राज्यों के गत्ता उत्पादक

बद्दी, 28 फरवरी (चौधरी): औद्योगिक क्षेत्र बद्दी में शनिवार के दिन उत्तरी राज्यों के गत्ता उत्पादकों ने अपनी मांगों को लेकर बैठक की। इसमें पेपर मिल मालिकों के खिलाफ मोर्चा खोलने का निर्णय लिया गया। बैठक में हिमाचल के अलावा पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, गुजरात, यू.पी., उत्तराखंड व चंडीगढ़ के 300 से ज्यादा गत्ता उत्पादकों ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पेपर मिलकों द्वारा पेपर का बीस फीसदी रेट बढ़ा देने से पंजाब और हिमाचल प्रदेश के करोड़ों गत्ता उद्योग 6 दिन की सांकेतिक हड़ताल पर जाएंगे। संयुक्त संघर्ष समिति के चेयरमैन व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश मदान, पंजाब इकाई के प्रधान आर.पी. सिंह, हिमाचल चैप्टर के प्रधान देवेंद सहगल, उपाध्यक्ष मुकेश जैन व सुरेंद्र जैन ने बताया कि हमने 8 से 13 मार्च तक हिमाचल सहित बी.बी.एन. के सभी गत्ता उद्योग बंद रखने का निर्णय लिया है और इस दौरान पेपर मिलों से किसी भी प्रकार का लेन-देन नहीं किया जाएगा। हड़ताल के दौरान किसी भी अन्य कारखाने को माल सप्लाई भी नहीं किया जाएगा और न ही अन्य प्रदेशों से पेपर अंदर आने दिया जाएगा। नेताओं ने कहा कि हमें बार-बार पेपर मिलों द्वारा जलील किया जा रहा है और हम पर मनमाने रेट थोपे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम हड़ताल नहीं करना चाहते और हमारा उदेश्य अपने वेंडर व उपभोगताओं को परेशान करना नहीं बल्कि मिल मालिकों की कथित दादागिरी के प्रति आंखें खोलना है। महासचिव सुरेंद्र जैन ने कहा कि पेपर मिल मालिक महीने में जानबूझ कर 5 दिन अपनी मिलें बंद रखते हैं ताकि पेपर की कमी पैदा हो जाए और जब हम माल की डिमांड करेंगे तो कहते हैं कि अगर महंगा पेपर लेना है तो मिलेगा नहीं तो मत लो। उन्होंने कहा कि पेपर मिल मालिक हमें कथित रूप से ब्लैकमेल करके अपनी जेबें भर रहे हैं और जानबूझ कर गुमराह करने की कोशिश की जा रहा है।

8 से 13 मार्च तक गत्ता उद्योग बंद रखने का निर्णय

पूर्व राष्ट्रीय प्रधान गत्ता उत्पादक संघ हरीश मदान ने कहा कि इससे पहले हम सभी 7 राज्य मिलकर 3 मार्च को जंतर-मंतर के आगे जुटेंगे और वहां पर प्रदर्शन करेंगे तथा सरकार को कंपीटीशन एक्ट के तहत कार्यवाही करने को बाध्य करेंगे ताकि मिल मालिक अपनी दादागिरी न कर सकें। पंजाब के प्रधान आर.पी. सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार का एम.एस.एम.ई. विभाग भी हमारी मदद करने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा कि सेब सीजन शुरू होने वाला है और हिमाचल में हर वर्ष अढ़ाई करोड़ पेटियों की खपत होती है। अगर पेपर मिलों ने अपने दामों में कटौती नहीं की तो हिमाचल के बागवानों पर 20 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इस अवसर पर अजय चौधरी, मुकेश कुमार, सुशील सिंगला, बलदेव गोयल, भारत भूषण, अभिषेक लोहाटी, बालकिशन सिंगला, मुनीष गर्ग, विकास, मोहित, वी.के. गोयल, राजन ठाकुर, बलजीत, अजय किशारे व पंकज मित्तल ने भी अपने विचार रखे।

बद्दी : बद्दी में आयोजित उत्तर भारत के गत्ता उ विभिन्न राज्यों से आए सदस्यों को संबोधित करते